Jai Maa Ambey
ASTROLOGY GURU

आरती कैलेंडर

शिवजी की आरती

ओइम् जय शिव ओंकारा स्वामी जय शिव ओंकारा।
ब्रह्मा विष्णु सदा शिव अद्धाँगी धारा ॥
ओइम् जय शिव ओंकारा ॥
एकानन चतुरानन पंचानन राजे।
हंसानन गरुड़ासन वृषवाहन साजे।
ओइम् जय शिव ओंकारा ॥
दो भुज चार चतुर्भुज दश भुज ते सोहे।
तीनो रुप निरखता त्रिभुवन मन मोहे।
ओइम् जय शिव ओंकारा ॥
अक्षमाला वनमाला रुण्डमाला धारी।
चन्दन मृगमद सोहे भाले शुभकारी ॥
ओइम् जय शिव ओंकारा ॥
श्वेताम्बर पीताम्बर बाघाम्बर अंगे।
सनकादिक ब्रह्मादिक प्रेतादिक संगे।
ओइम् जय शिव ओंकारा ॥
कर के बीच कमण्डल चक्र त्रिशुल धर्ता।
जग कर्ता जगहर्ता जग पालनकर्ता ॥
ओइम् जय शिव ओंकारा ॥
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका।
प्रणवाक्षर के मध्य तीनो ही एका।
ओइम् जय शिव ओंकारा ॥
त्रिगुण स्वामीजी की आरती जो कोई गावे।
कहत शिवानंद स्वामी मनवांछित फ्ल पावे।
ओइम् जय शिव ओंकारा ॥

शिवरात्रि

24th February 2017	13th February 2018
4th March 2019	21stFebruary 2020

रामजी की आरती

श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन हरण भवभय दारुणम्,
नवकंज लोचन, कंज मुख, कर कंज, पद कंजारुणम्।

कंदर्प अगणित अमित छबि नव नील नीरज सुन्दरम्।
पटपीत मानहु तड़ित रुचि शुचि नौमि जनक सुतावरम्।

भजु दीनबन्धु दिनेश दानव-दैत्य वंश-निकन्दनम्।
रघुनन्द आनंदकंद कौशल्य चन्द दशरथ-नन्दनम्।

सिर मुकुट कुण्डल तिलक चारु उडार अंग विभूषणम्,
आजानुभुज सर-चाप-धर, संग्राम जित खर-दूषणम्।

इति वदति तुलसीदास शंकर-शेष-मुनि-मनरंजनम्,
मम हृदय-कंज-निवास कुरु, कामादि खल-दल-गंजनम्॥

रामनवमी

5th April 2017	25th March 2018
14th April 2019	2nd April 2020

हनुमान जी की आरती

आरती कीजै हनुमान लला की । दुष्टदलन रघुनाथ कला की ॥
जाके बल से गिरिवर कांपै । रोग दोष जाके निकट न झांके ॥
अंजनि पुत्र महा बल दाई । संतन के प्रभु सदा सहाई ॥
दे बीरा रघुनाथ पठाये । लंका जारि सीय सुधि लाये ॥
लंका सो कोटि समुद्र सी खाई । जात पवनसुत बार न लाई ॥
लंका जारि असुर संहारे । सियाराम जी के काज संवारे ॥
लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे । लाय संजीवन प्राण उबारे ॥
पैठि पाताल तोरि जम कारे । अहिरावन की भुजा उखारे ॥
बायै भुजा असुर दल मारे । दाहिने भुजा संत जन तारे ॥
सुर नर मुनि जन आरती उतारे । जै जै जै हनुमान उचारे ॥
कंचन थाल कपूर लौ छाई । आरती करत अंजना माई ॥
जो हनुमान जी की आरती गावै । बसि बैकुंठ परमपद पावै ॥

हनुमान जयंती

- 11th April 2017
- 31th March 2018
- 19th April 2019
- 8th April 2020

शनि देव की आरती

जय जय श्री शनिदेव भक्तन हितकारी।
सूरज के पुत्र प्रभु छाया महतारी॥ जय. ॥
श्याम अंक वक्र दृष्ट चतुर्भुजा धारी।
नीलाम्बर धार नाथ गज की असवारी॥ जय. ॥
क्रीट मुकुट शीश रजित दिपत है लिलारी।
मुक्तन की माला गले शोभित बलिहारी॥ जय. ॥
मोदक मिष्ठान पान चढ़त हैं सुपारी।
लोहा तिल तेल उड़द महिषी अति प्यारी॥ जय. ॥
देव दनुज ऋषि मुनि सुमरिन नर नारी॥
विश्वनाथ धरत ध्यान शरण हैं तुम्हारी॥ जय. ॥

शनि जयंती

25th May 2017	15th May 2018
3rdJune 2019	22nd May 2020

कृष्ण जी की आरती

ॐ जय श्री कृष्ण हरे, प्रभु जय श्री कृष्ण हरे।
भक्तन के दुख सारे पल में दूर करे।
परमानन्द मुरारी मोहन गिरधारी, जय रस रास बिहारी जय जय गिरधारी।
कर कंकन कटि सोहत कानन में बाला, मोर मुकुट पीताम्बर सोहे बनमाला।
दीन सुदामा तारे दरिद्रों के दुख टारे, गज के फन्द छुड़ाए भव सागर तारे।
हिरण्यकश्यप संहारे नरहरि रुप धरे, पाहन से प्रभु प्रगटे जम के बीच परे।
केशी कंस विदारे नल कूबर तारे, दामोदर छवि सुन्दर भगतन के प्यारे।
काली नाग नथैया नटवर छवि सोहे, फन्न-फन्न नाचा करते नागन मन मोहे।
राज्य उग्रसेन पाये माता शोक हरे, द्रुपद सुता पत राखी करुणा लाज भरे।
ॐ जय श्री कृष्ण हरे।

कृष्ण जनमाष्टमी

15th August 2017	3rd September 2018
23rd August 2019	12th August 2020

गणेश चर्तुथी

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ॥ जय.
एक दन्त दयावन्त चार भुजा धारी।
माथे सिन्दूर सोहे मूसे की सवारी ॥ जय.
अन्धन को आँख देत कोढ़िन को काया।
बाँझत को पुत्र देत निर्धन को माया ॥ जय.
हार चढ़े फूल चढ़े और चढ़े मेवा।
लड्डुअन को भोग लगे सन्त करे सेवा ॥ जय.
दीनन की लाज राखो, शम्भु सुत वारी।
मनोरथ को पूरा करो, जय बलिहारी ॥ जय.

गणेश चर्तुथी

25th August 2017	13th September 2018
2nd September 2019	22nd August 2020

अम्बाजी की आरती

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी ।
तुमको निशिदिन ध्यावत हरि ब्रह्मा शिवरी ।। जय.
मांग सिन्दूर विराजत टीको मृगमद को ।
उज्जवल से दोउ नैना चन्द्रवदन नीको ।। जय.
कनक समान कलेवर रक्ताम्बर राजै ।
रक्त-पुष्प गल माला कण्ठनपर साजै ।। जय.
केहरि वाहन राजत खड़ग खपर धारी ।
सुर-नर-मुनि-जन सेवत तिनके दुखहारी ।। जय.
कानन कुण्डल शोभित नासग्रे मोती ।
कोटिक चन्द्र दिवाकर राजत सम ज्योति ।। जय.
शुम्भ निशुम्भ विदारे महिषासुर-घाती ।
धूम्रविलोचन नैना निशदिन मदमाती ।। जय.
चण्ड मुण्ड संहारे, शोणितबीज हरे ।
मधु कैटभ दोउ मारे सुर भयहीन करे ।। जय.
ब्रह्माणी रुद्राणी, तुम कमलारानी ।
आगम-निगम-बखानी, तुम शिव पटरानी ।। जय.
चौसठ योगिनी गावत, नृत्य करत भैरु ।
बाजत ताल मृदंगा अरु बाजत डमरु ।। जय.
तुम ही जगकी माता, तुम ही हो भरता ।
भक्तनकी दुख हरता सुख सम्पति करता ।। जय.
भुजा चार अति शोभित वर मुद्रा धारी ।
मनवांछित फल पावत, सेवत नर-नारी ।। जय.
कंचन थाल विराजत अक्षर कपूर बाती ।
श्री मालकेतु में राजत कोटि रतन ज्योति ।। जय.
श्री अम्बेजी की आरति जो कोई नर गावै ।
कहत शिवानन्द स्वामी, सुख-सम्पति पावे ।। जय.

नवरात्रि

21st September 2017	9th October 2018
29th September 2019	17th October 2020

लक्ष्मीजी की आरती

ओउम् जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता।
तुमको निसिदिन सेवत, हर विष्णु धाता॥ ओउम् जय
उमा रमा, ब्रह्माणी तुम ही जग-माता।
सूर्य-चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता॥ ओउम् जय
दुर्गा रुप निरंजनि, सुख-सम्पत्ति दाता॥
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्ध धन पाता॥ ओउम् जय
तुम पाताल-निवासिनि, तुम ही शुभदाता।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनि, भवनिधि की त्राता॥ ओउम् जय
जिस घर में तुम रहती, सब सद्गुण आता।
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता॥ ओउम् जय
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न हो पाता।
खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता। ओउम् जय
शुभ-गुण मंदिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता।
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता॥ ओउम् जय
मां लक्ष्मीजी की आरती, जो कोई जन गाता।
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता। ओउम् जय

दिपावली

19th October 2017	7th November 2018
27th October 2019	14th November 2020

तुलसी जी की आरती

जय जय तुलसी माता
सब जग की सुख दाता, वर दाता
जय जय तुलसी माता ॥
सब योगों के ऊपर, सब रोगों के ऊपर
रुज से रक्षा करके भव त्राता
जय जय तुलसी माता ॥
बटु पुत्री हे श्यामा, सुर बल्ली हे ग्राम्या
विष्णु प्रिये जो तुमको सेवे, सो नर तर जाता
जय जय तुलसी माता ॥
हरि के शीश विराजत, त्रिभुवन से हो वन्दित
पतित जनो की तारिणी विख्याता
जय जय तुलसी माता ॥
लेकर जन्म विजन में, आई दिव्य भवन में
मानवलोक तुम्ही से सुख संपत्ति पाता
जय जय तुलसी माता ॥
हरि को तुम अति प्यारी, श्यामवरण तुम्हारी
प्रेम अजब हैं उनका तुमसे कैसा नाता
जय जय तुलसी माता ॥

तुलसी विवाह

1st November 2017	20th November 2018
9th November 2019	26th November 2020

श्री सत्यनारायणजी की आरती

जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा।
सत्यनारायण स्वामी, जन–पातक–हरना ॥ जय...
रत्न जड़ित सिंहासन, अद्भुत छबी राजे।
नारद कहत निरजन, घंटा धुन बाजे ॥ जय...
प्रकट भए कलि कारण, द्विज को दर्श दियो।
बूढ़ो ब्राह्मण बनकर, कंचन–महल कियो ॥ जय...
दुर्बल भील कठारो, इनलपर कृपा करो।
चन्द्रचूड़ एक राजा, जिनकी विपति हरी ॥ जय...
वैश्य मनोरथ पायो, श्रद्धा तज दीनी।
सो फल भोग्यो प्रभुजी, फिर अस्तुति कीन्हीं ॥ जय...
भाव–भक्ति के कारण, छिन–छिन रुप धर्‌यो।
श्रद्धा धारण कीनी, तिनको काज सर्‌यो ॥ जय...
ग्वाल–बाल सँग राजा, वन में भक्ति करी।
मनवांछित फल दीन्हा दीनदयाल हरी ॥ जय...
चढ़त प्रसाद सवायो, कदली फल मेवा।
धूप दीप तुलसी से, राजी सत्यदेवा ॥ जय...
श्री सत्यनारायण जी की आरती जो कोई नर गावे।
तन–मन सुख–संपत्ति, मनवाच्छित फल पावे ॥ जय...